

प्रेषक,

एन०एस०न०पल०च्याल,
प्रमुख सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,
हरिद्वार।

राजस्व विभाग

देहरादून: दिनांक: १२ मई, २००६

विषय:—गै० आर०डी० इलैक्ट्रिकल्स को रेलवे कैरिज फैन एवं पार्ट्स व अन्य इलैक्ट्रीकल्स गुड्स के निर्माण हेतु ग्राम सलेमपुर राजपूतान तहसील रुड़की में कुल ०.१०२० है० भूमि कय की अनुमति प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

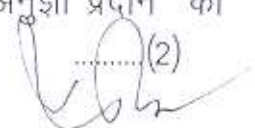
महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-५२९/भूमि व्यवस्था-भूमि कय-२००६ दिनांक २७ मार्च, २००६ के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय गै०आर०डी०इलैक्ट्रिकल्स को रेलवे कैरिज फैन एवं पार्ट्स व अन्य इलैक्ट्रिकल्स गुड्स के निर्माण हेतु उत्तरांचल (उ०प्र० जमींदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था अधिनियम, १९५०) (अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, २००१) (संशोधन) अधिनियम, २००३ दिनांक १५-१-२००४ की धारा १५४(४)(३)(क)(व) के अन्तर्गत तहसील रुड़की के ग्राम सलेमपुर राजपूतान में कुल ०.१०२० है० भूमि कय करने की अनुमति निम्नलिखित प्रतिबन्धों के साथ प्रदान करते हैं:

१- क्रेता धारा-१२९-ख के अधीन विशेष श्रेणी का भूमिधर बना रहेगा और ऐसा भूमिधर भविष्य में केवल राज्य सरकार या जिले के कलेक्टर, जैसी भी स्थिति हो, की अनुमति से ही भूमि कय करने के लिये अर्ह होगा।

२- क्रेता बैंक या वित्तीय संस्थाओं से ऋण प्राप्त करने के लिये अपनी भूमि बन्धक या दृष्टि बन्धित कर सकेगा तथा धारा-१२९ के अन्तर्गत भूमिधरी अधिकारों से प्राप्त होने वाले अन्य लाभों को भी ग्रहण कर सकेगा।

३- क्रेता द्वारा कय की गई भूमि का उपयोग दो वर्ष की अवधि के अन्दर, जिसकी गणना भूमि के विक्रय विलेख के पंजीकरण की तिथि से की जायेगी अथवा उसके बाद ऐसी अवधि के अन्दर जिसको राज्य सरकार द्वारा ऐसे कारणों से जिन्हें लिखित रूप में अभिलिखित किया जायेगा, उसी प्रयोजन के लिये करेगा जिसके लिये अनुज्ञा प्रदान की

(२)


गई है। यदि वह ऐसा नहीं करता अथवा उस भूमि का उपयोग जिसके लिये उसे रवीकृत किया गया था, उससे भिन्न किसी अन्य प्रयोजन हेतु करता है अथवा जिस प्रयोजनार्थ कय किया गया था उससे भिन्न प्रयोजन के लिये विक्रय, उपहार या अन्यथा भूमि का अन्तरण करता है तो ऐसा अन्तरण उक्त अधिनियम के प्रयोजन हेतु शून्य हो जायेगा और धारा-167 के परिणाम लागू होंगे।

4- जिस भूमि का संक्रमण प्रस्तावित है उसके भूस्वामी अनुसूचित जनजाति के न हों और अनुसूचित जाति के भूमिधर होने की स्थिति में भूमि कय से पूर्व सम्बन्धित जिलाधिकारी से नियमानुसार अनुमति प्राप्त की जायेगी।

5- जिस भूमि का संक्रमण प्रस्तावित है उसके भूस्वामी असंक्रमणीय अधिकार वाले भूमिधर न हों।

6- स्थापित किये जाने वाले उद्योग में उत्तरांचल के लोगों को 70 प्रतिशत रोजगार/सेवायोजन उपलब्ध कराया जायेगा।

7- उपरोक्त शर्तों/प्रतिबन्धों का उल्लंघन होने पर अथवा किसी अन्य कारणों से, जिसे शासन उचित समझता हो, प्रश्नगत रवीकृति निरस्त करदी जायेगी।

कृपया तदनुसार आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

भवदीय,

(एन0एस0नपलच्याल)
प्रमुख सचिव।

संख्या एवं तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- मुख्य राजस्व आयुक्त, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- आयुक्त, गढ़वाल गण्डल, पौड़ी।
- 3- सचिव, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, उत्तरांचल शासन।
- 4- श्री अरुण कुमार जैन, पार्टनर मै0आर0डी0इलैक्ट्रिकल्स नि0 आर-206 अनुपम अपार्टमेन्ट, ईस्ट अर्जुन नगर, शाहदरा, दिल्ली।
- 5- निदेशक, एन0आई0सी0, उत्तरांचल सचिवालय।
- 6- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
(सोहन लाल)
अपर सचिव।